केंद्रीय विद्यालय क्रमांक.1 नीमच

समाचार पत्रक सितम्बर २०२३

प्राचार्य की कलम से

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़े के सुअवसर पर आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ ।

भारत बहु भाषी राष्ट्र है जिसमें सैकड़ों भाषाएं हैं जिनमें २२ भाषाओं को राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त हुआ है जिस में हिन्दी अत्यधिक लोगों द्वारा बोली जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए हिंदी संघ की राजभाषा की दर्जा दिया गया है। हिन्दीतर भारतीय भाषाएं भी अपने अपने प्रांत की राजभाषा की दर्जा प्राप्त की हैं। हिन्दी एवं हिन्दीतर भारतीय भाषाओं का प्रचार प्रसार एवं उनके बीच में तालमेल बनाए रखने के उद्देश्य से ही हिन्दी दिवस को भारतीय भाषाओं का सौहार्द दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी पखवाडे के अंतर्गत आयोजित सभी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में आप लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया |

मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस होता है कि, आप सब के उत्कृष्ट प्रयास से हमारा कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्तम प्रगति की हैं| इस सुअवसर पर हम यह दृढ़ निश्चय कर लें कि, राजभाषा कार्यान्वयन का पूर्ण प्रयास करते हुए केंद्रीय विद्यालय नीमच का एवं राष्ट्र का नाम रोशन करें। जय हिन्द ।

प्रियदर्शन गर्ग

प्राचार्य

नीमच | केंद्रीय विद्यालय क्र.१ नीमच में १४ से २८ सितंबर तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन १४ सितंबर की सुबह प्रार्थना सभा में किया गया| जहां विद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षकों द्वारा हिंदी भाषा से उत्तरोत्तर विकास पर चर्चा की गई | प्राचार्य श्रीमान प्रियदर्शन गर्ग ने विद्यालय के राजभाषा प्रभारी कार्यालय प्रमुख हेमिल्टन मसीह एवं हिन्दी विभाग के सभी सदस्यों के कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी| साथ ही विद्यालय परिवार को सन्देश दिया कि हम हिंदी भाषी लोग यह संकल्प लें कि हम हिन्दी शुद्ध और सही बोलेंगे तथा शुद्ध और सुंदर ही लिखेंगे। हिंदी पखवाडे के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

१. कविता पाठ
२. तत्कालीन भाषण
३. हिंदी पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
४. अनुच्छेद-लेखन
५. काव्य पाठ
६. समापन समारोह

साथ ही बच्चो मे हिंदी भाषा के प्रति रूचि जगाने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया| इस अवसर पर कार्यक्रम मे बताया कि केंद्र सरकार के सभी विभागों में राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए कार्यक्रम आयोजित होने वाले है | इस समारोह में विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है

14 सितंबर को कार्यक्रम की शुरुआत में श्रीमान हेमिल्टन मसीह, हिंदी विभाग के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्राइमरी शिक्षकों के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना व पुष्प अर्पण कर किया गया | कार्यक्रम के अगले चरण में विद्यालय की दो होनहार छात्राओ कृतिका नागोरा व कनक चौहान द्वारा भाषण तथा कविता के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया | इसी क्रम मे दिनांक १५-०९-२०२३ को शिफा मंसूरी के द्वारा कविता की सुमधुर प्रस्तुति की गई | मंच संचालन का कार्य कु. छवि नागोरा तथा श्रीमति भूमिका पटेल द्वारा किया गया | हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक

१६-०९-२०२३ को केंद्रीय विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया | जिनमें कविता पाठ , कहानी-कथन आदि शामिल थे | दिनांक

१६-०९-२०२३ को होने वाले कार्यक्रम में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों ने भाग लिया और कार्यक्रम की शोभा बढाई | अलग-अलग सदनों के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमो में हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते | मोहम्मद राजीक ने अपनी सुमधुर कविता के माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढाई | इसी क्रम में मिथिलेश द्वारा भी बहुत ही प्रभावी ढंग से कहानी का वाचन किया गया | तत्कालीन भाषण का आयोजन किया गया| जिसमे विद्यार्थियों ने बहुत हर्षोल्लास के साथ भाग लिया इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सरोज मीना के द्वारा किया| इसी क्रम में अनुच्छेद लेखन तथा काव्य पाठ का आयोजन किया गया | हिंदी पखवाड़े के अंत स्वरूप परिणामो की घोषणा की गई तथा विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया गया |

“ देश – दुनिया तक हिंदी पहुँचाओ, पूरी दुनिया में पहचान बनाओ ”

स्नातकोत्तर हिंदी शिक्षक

श्रीमान हेमिल्टन मसीह

सदस्य

श्रीमती सरोज मीणा

श्रीमान देवेन्द्र सोलंकी

श्रीमान भगवती लाल मीणा

श्रीमान भादूलाल मीणा

हिंदी भारत वर्ष की केवल एक भाषा नही है अपितु बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। इसकी प्रामाणिकता इसी बात में है कि, यह जैसी बोली जाती है, वैसी ही लिखी जाती है। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना हमारा परम धर्म है।

देवेंद्र कुमार सोलंकी

प्रशिक्षित स्नातक हिंदी शिक्षक

“पूरे राष्ट्र की आशा है हिंदी, अपनी भाषा है हिंदी, जात-पात के बंधन को तोड़े, हिंदी सारे देश को जोडे ”

गर्व हमें है हिन्दी पर, शान हमारी हिंदी है
कहते-सुनते हिंदी हम, पहचान हमारी हिंदी है।
भाषा हमने सारी सीखी पर हिंदी जैसी बात नहीं
संस्कृत से संस्कृति मिली हिंदी से हिंदुस्तानी,
अंग्रेज़ी के चक्कर में हम भूल गए अपनी पहचान।
पर हिंदी ने ही मुझको सिखाया वीरों का है पाठ
सुनाया, हिन्दी है अभिमान हमारा इससे ही होता
हिंदुस्तान का श्रृंगार उत्तर, दक्षिण पूर्व पश्चिम हर
कोने तक फैला इसका प्रकाश सजी हुई माथे पर
जैसे बिन्दी
ऐसे ही सुशोभित है हिन्दी के ऊपर बिन्दी |
हिन्दी कोई भाषा नहीं यह तो नदी सामान हैं
जिसकी धारा में बहती भारत की पहचान है हिंदी
बोलने में शर्म नहीं मुझे यह तो मेरा अभिमान है
लम्बी चलेगी हिंदी से मेरी दोस्ती क्योकि मुख पर
मेरे हिंदी रहती और हृदय में हिन्दुस्तान है। हिंदी
से ही अस्तित्व है मेरा हिंदी से ही निखरता
व्यक्तित्व है मेरा,मेरे सपनों, गजल, वाक्यों की
दाल है हिंदी
भारत की पहचान अपने आप में बेमिसाल है
हिन्दी

अतुल्य सलूजा
पाचवी ‘अ’

निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्निति को मूल ।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को सूल।

सुप्रभात आदरणीय प्राचार्य महोदय जी प्रधानाध्यापक जी, शिक्षकगण एंव मेरे प्रियं खि साथियों।
सर्वप्रथम आप सभी को हिंदी दिवस की बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएँ।
जैसा की हम सभी को विदित है कि हर साल 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया था। हर भारतीय नागरिक के लिए हिंदी दिवस का बेहद खास महत्व है। भारत विविधताओं से भरा देश है। यहा अलग - अलग धर्म , जाति, वेश भूषा,खानपान संस्कृति व अलग अलग भाषाएं, बोलने वाले लोग रहते है। हिन्दी महज एक भाषा नही बल्कि ये हमे रचती है। हिंदी हमारे स्वाभिमान व गर्व की भाषा है। यह विश्व की सबसे प्राचीन समृद्ध और महान भाषा है आज के इस आधुनिक दौर में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग काफी बढ़ गया है। लेकिन हमे अपनी धरोहर अपनी राजभाषा को भूलना नहीं चाहिए | हिंदी ही से ही हम है।

सागर में मिलती धाराएँ हिंदी सबकी संगम है
शब्दबद्ध लिपि से भी आगे एक भरोसा अनुपम है
गंगा कावेरी की धारा साथ मिलती हिंदी हैं
पूर्व पश्चिम कमल - पंखुरी सेतु बनाती हिंदी है

कृतिका नागोरा
दसवी ‘अ’

पढ़ा था विद्यालय में विषय गणित और विज्ञान
पर कभी ना दिया मैंने हिंदी पर ध्यान।
हिंदी है मेरी सबसे बड़ी पहचान
उसके बिना सब पूछते क्या है तेरा मान?

हिंदी को दिलाना है विश्व में सम्मान
कभी न देख सकूंगा हिंदी का अपमान।
हिंदी को हमें दिलाना है उसकी खोई हुई पद
हिंदी के सम्मान से बड़ा नहीं किसी का कद।

यशस्वी शर्मा
दसवी ‘ब’

जन-जन की भाषा है हिन्दी,भारत की आशा है हिन्दी ।
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है, वो मजबूत धागा है हिन्दी ।
"मन की परिभाषा हैं हिन्दी,जिसके बिना भाषा थम जाए ऐसी जीवन रेखा है हिंदी

सक्षम कुमार
पाचवी ‘स’